सत्र 2025 -2026 के लिए पाठयक्रम				
कक्षा -V				
विषय - हिंदी				
पाठ सं.	**अध्याय का नाम**	**अपेक्षित दक्षताएँ**	**सीखने के अपेक्षित प्रतिफल / उद्देश्य**	**सुझावित गतिविधियाँ**
सत्र 1				
1	**राख की रस्सी (लोककथा)**	• विभिन्न विषयों, स्थितियों, घटनाओं, कहानियों, कविताओं आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में (मौखिक/लिखित/ सांकेतिक रूप से) कहने/सुनाने/ प्रश्न पूछने, टिप्पणी करने, अपनी राय देने की आजादी हो। • विषय वस्तु के संदर्भ में भाषा की बारीकियों और उसके नियमबद्ध प्रकृति को समझने और उनका प्रयोग करने के अवसर हों।	• सुनी अथवा पढ़ी रचना (लोककथा) की विषय वस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते है/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/ निष्कर्ष निकालते हैं। • भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते हैं और उसे अपने लेखन/ब्रेल में शामिल करते हैं।	• पाठ के पश्चात शिक्षक कहानी से संबंधित चर्चा करेंगें/ प्रश्न पूछेंगे। • **मूल्यांकन -** संज्ञा शब्दों को पर्चियों पर लिखकर उन्हें व्यक्तिवाचक तथा जातिवाचक संज्ञा में वर्गीकृत करना। • शिक्षक एक पिटारा बनाएंगे, जिसमें 8-10 विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ हों जैसे - कंघी, डंडी, पेन, फल, बैग, आदि। पिटारे में से एक वस्तु निकाल कर बच्चे उस पर कुछ वाक्य बोलेंगे।
2	**फ़सलों के त्योहार (लेख)**	• आस-पास होने वाली गति विधियों/घटने वाली घटनाओं को लेकर प्रश्न करने, बच्चों से बातचीत या चर्चा करने,टिप्पणी करने, राय देने के अवसर उपलब्ध हों।	• अपने आस-पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर मौखिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं। • सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों	**अनुभवात्मक अधिगम-** • विभिन्न अनाज जैसे - बाजरा, ज्वार, चावल, गेहूँ, मक्का, आदि को इकट्ठा करके एक चार्ट पर चिपका कर कक्षा में प्रदर्शित कीजिए। • कुछ पर्चियों पर रोटी, पूरी, पकौड़ी, खिचड़ी, लड्डू आदि लिखकर पर्चियों को तीलियों पर चिपकाएं। पेपर कप में

			और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं। • भाषा की व्याकरणिक इकाइयों (जैसे– कारक-चिह्न, क्रिया, काल, विलोम आदि) की पहचान करते हैं और उनके प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं।	गेहूँ, बाजरा, मक्का, चावल आदि लेकर तीलियों को कप में डालने को कहें। जैसे - रोटी की तीलियों को गेहूँ, मक्का, चावल, बाजरा के सभी कप में डाल सकते है । • मानचित्र पर पाठ में आए राज्यों तथा उनके फसलों के त्योहारों को पहचानना।
3	**खिलौने वाला (कविता)**	• तरह-तरह की कहानी,कविताओं , पोस्टर आदि को संदर्भ केअनुसार पढ़कर समझने-समझाने के अवसर उपलब्ध हों। • ज़रूरत और संदर्भ के अनुसार अपनी भाषा गढ़ने (नए शब्द/ वाक्य/ अभिव्यक्तियाँ बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर हों।	• भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी (मौखिक) भाषा गढ़ते हैं। • अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिखते हैं।कविता,कहानी को आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।	• **अनुभवात्मक अधिगम-** चिकनी मिट्टी (clay) से अपनी कल्पनाशक्ति से खिलौने बनाना एवं उसके बारे में कुछ वाक्य लिखना। • **अभिनय से अधिगम –** विभिन्न फेरी वालों का अभिनय करके दिखाना।
4	**नन्हा फ़नकार (कहानी)**	• विषय-वस्तु के संदर्भ में भाषा की बारीकियों और उसकी नियमबद्ध प्रकृति को समझने और उनका प्रयोग करने के अवसर हों। • नए शब्दों को चित्र शब्दकोष/ शब्दकोष में देखने के अवसर उपलब्ध हों।	• विभिन्न प्रकार की सामग्री (अखबार, बाल साहित्य, पोस्टर आदि) में आए संवेदनशील बिंदुओं पर (मौखिक /लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं, जैसे– ईदगाह कहानी पढ़ने के बाद बच्चा कहता हैं– मैं भी अपनी दादी की खाना बनाने में मदद करता हूं।	• कला एकीकृत - हवाई छतरी का या कोई अन्य खिलौना बनाना। • नन्हा फनकार की तरह बच्चे अपने कौशल का कक्षा के सामने प्रदर्शन करके दिखाएंगे। • ईदगाह पाठ पढ़ाकर मुंशी प्रेमचंद तथा सुभद्रा कुमारी चौहान की जीवन कथा यूट्यूब की मदद से टैब या टीवी पर दिखाना।

			• भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते हैं और उसे अपने लेखन/ब्रेल में शामिल करते हैं।	• पुस्तकालय से हिंदी शब्दकोष लाकर कठिन / नए शब्दों के अर्थ की खोज करें ।
5	**जहाँ चाह वहाँ राह (लेख)**	• नए शब्दों को चित्र शब्दकोष/ शब्दकोष में देखने के अवसर उपलब्ध हों। • पाठ्यपुस्तक और उससे इतर सामग्री में आए प्राकृतिक, सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील मुद्दों को समझने और उन पर चर्चा करने के अवसर उपलब्ध हों।	• अपने आस-पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर लिखित रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। • उद्देश्य और संदर्भ के अनसुार शब्दों, वाक्यों, विराम-चिह्नों का उचित प्रयोग करते हुए लिखते हैं। • पाठ्यपुस्तक और उससे इतर सामग्री में आए संवेदनशील बिंदुओं पर लिखित/ब्रेल लिपि में अभिव्यक्ति करते हैं। • अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिखते हैं। कविता,कहानी को आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।	• **अनुभवात्मक अधिगम-** इला के बारे में पढ़ कर जैसे भाव तुम्हारे मन में उठ रहे हैं उन्हें इला को चिट्ठी लिखकर बताओ। • विशेष रूप से सक्षम (Differently Abled) बच्चों के प्रति कक्षा को संवेदनशील बनाने के लिए सकारात्मक चर्चा करा सकते हैं। • विराम चिन्हों का बोध ।
6	**चिट्ठी का सफ़र (लेख)**	• नए शब्दों को चित्र शब्दकोष /शब्दकोष में देखने के अवसर उपलब्ध हों। • पाठ्यपुस्तक और उससे इतर सामग्री में आए प्राकृतिक, सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील मुद्दों को समझने और उन पर चर्चा करने के अवसर उपलब्ध हों।	• अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोष से खोजते हैं। • अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिखते हैं। कविता,कहानी को आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं। • स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अतंर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं, जैसे– किसी घटना की जानकारी के बारे	• **अनुभवात्मक अधिगम** - अपने नाम की डाक टिकट बनाएँ। अपने दोस्त को चिट्ठी लिखकर उसपर अपनी बनाई हुई डाक टिकट चिपकाएं और उसे कक्षा की डाकपेटी में पोस्ट करें। • शिक्षक उन पत्रों को कक्षा में बच्चों को तथा चिट्ठी के सफर को समझाएंगे।

			में बताने के लिए स्कूल की भित्ति पत्रिका के लिए लिखना और किसी दोस्त को पत्र लिखना। • विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन पर लगाई जाने वाली सूचना, कार्यक्रम की रिपोर्ट आदि) के लिए पढ़ते और लिखते हैं।	
7	**डाकिए की कहानी कँवर सिंह की ज़ुबानी**	• अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे– गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझने और उसका संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार इस्तेमाल करने के अवसर हों।	• अपनी पाठ्यपुस्तक से इतर सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझते हुए पढ़ते और उसके बारे में बताते हैं।	• किसी बच्चे के अभिभावक या विद्यालय के दैनिक कार्यों में सहयोग करने वाले लोगों (माली, सफाई कर्मचारी आदि) को कक्षा में बुलाकर बच्चों के साथ उनकी भेंटवार्ता करवाएँ । • कहानी में कंवर सिंह जी कहते हैं कि 'मैं बेस्ट पोस्टमैन हूँ'। आप भी कुछ ऐसे व्यक्तियों एवं कार्यों का नाम बताओ जिसे आप बेस्ट मानते हो।
8	**वे दिन भी क्या दिन थे (विज्ञान कथा)**	• पुस्तकालय /कक्षा में अलग-अलग तरह की कहानियाँ, कविताएँ अथवा बाल साहित्य, स्तरानुसार सामग्री, साइनबोर्ड, होर्डिंग, अखबारों की कतरनें उनके आस-पास के परिवे श में उपलब्ध हों और उन पर चर्चा करने के मौके हों। • अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे– गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने	• अपनी पाठ्यपुस्तक से इतर सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझते हुए पढ़ते और उसके बारे में बताते हैं। • विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम चिन्ह जैसे– अल्पविराम, प्रश्नवाचकचिन्ह, उद्धरण चिन्ह का सचेत इस्तेमाल करते हैं। • स्तरानुसार अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं, आदि (जैसे गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्य कला, आदि) में प्रयुक्त होने वाली प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझते हैं	• अनुभवात्मक अधिगम - अपनी डायरी बनाओ और उसमें अपने बचपन से जुड़ी एक यादगार घटना लिखो। (विराम चिन्हों का विशेष ध्यान रखते हुएं । • समूह बनाकर बच्चों को आने वाले समय में होने वाले बदलाव के बारे में सोचकर कुछ वाक्य बोलने को कहें। जैसे - पेन, बोतल, चॉक, किताब, स्कूल आदि की जगह क्या हो सकता है? • अख़बार / बाल्पत्रिका का उपयोग कर किसी समसामायिक बिंदु पर चर्चा करें ।

		वाली शब्दावली को समझने और उसका संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार इस्तेमाल करने के अवसर हों।	और संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं।	
9	**एक माँ की बेबसी (कविता)**	• तरह-तरह की कहानी, कविताओं पोस्टर आदि को संदर्भ के अनुसार पढ़कर समझने-समझाने के अवसर उपलब्ध हों। • पाठ्यपुस्तक और उससे इतर सामग्री में आए प्राकृतिक, सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील मुद्दों को समझने और उन पर चर्चा करने के अवसर उपलब्ध हों।	• अपने आस-पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर मौखिक रूप से प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/ प्रश्न पूछते हैं। • विभिन्न प्रकार की सामग्री (अखबार, बाल साहित्य, पोस्टर आदि) में आए संवेदनशील बिंदुओं पर (मौखिक /लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं।	• **क्राफ्ट -** माँ को धन्यवाद कार्ड बना कर दीजिए। • शिक्षक बच्चों को गोले में किताब लेकर बिठाएंगे। इसके बाद बच्चे की ओर गेंद फेंककर पृष्ठ संख्या - 148 पर दिए शब्दकोष में से कोई शब्द बोलेंगे और बच्चे उसका अर्थ ढूँढ़कर बताएंगे।

नोट- उपर्युक्त पाठ्यक्रम पुनरावृत्ति के साथ मध्यावधि परीक्षा से पहले पूर्ण हो जाना चाहिए।

सत्र - 2				
पाठ संख्या	**अध्याय का नाम**	**अपेक्षित दक्षताएँ**	**सीखने के अपेक्षित प्रतिफल / उद्देश्य**	**सुझावित गतिविधियाँ**
10	**एक दिन की बादशाहत**	• ज़रूरत और संदर्भ के अनुसार अपनी भाषा गढ़न (नए शब्द वाक्य अभिव्यक्तियाँ बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर हों	• सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/ अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/	• **अभिनय से अधिगम** - अपने परिवार के किसी सदस्य का अभिनय करके दिखाएँ। • शिक्षक बच्चों को कुछ tongue twisters देंगे जिन्हें बच्चे बोलने की कोशिश करेंगे। • बच्चे समूह में अपने tongue twisters बनाएँगे और कक्षा में एक मस्ती का कोना बनाकर उसमें प्रदर्शित करेंगे।

			अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/ निष्कर्ष निकालते हैं ।	
11	**चावल की रोटियाँ (नाटक)**	• भाषा की व्याकरणिक इकाइयों जैसे विराम चिह्न,कारक चिह्न, क्रिया, काल, विलोम शब्द आदि की पहचान कर सकते हैं और उनका संदर्भपूर्ण प्रयोग करके वाक्य लिख सकते हैं।	• सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य,साहसिक , सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/ प्रश्न पूछते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/ अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/ निष्कर्ष निकालते हैं ।	• **अभिनय से अधिगम** - कुछ पर्चियों पर पाठ के किरदारों के नाम लिखें। एक - एक बच्चा पर्ची चुनेगा और दिए हुए किरदार का अभिनय करेगा या उसके बारे में कुछ वाक्य बोलेगा। • **ICT** - भारत के विभिन्न राज्यों की भाषा, कपड़ों, रहन-सहन और खान-पान के बारे में वीडियो के बारे में दिखा सकते हैं।
12	**गुरु और चेला (कविता)**	• नए शब्दों को चित्र शब्दकोष /शब्दकोष में देखने के अवसर उपलब्ध होंगे।	• भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी मौखिक भाषा गढ़ते हैं। • अपनी कल्पना से कहानी कविता पत्र आदि लिखते हैं कविता कहानी को आगे बढ़ते हुए लिखते हैं।	• **अनुभवात्मक अधिगम-** बच्चे शिक्षक के साथ हुए अपने किसी मजेदार अनुभव को कक्षा के साथ साझा करें। • **कला एकीकृत अधिगम** - अपनी मनपसंद कॉमिक स्ट्रिप बनाएँ । (पृष्ठ संख्या - 108,109)
13	**स्वामी की दादी (कहानी)**	• पुस्तकालय/कक्षा में अलग अलग तरह की कहानियाँ, कविताएँ अथवा/ बाल साहित्य, स्तरानुसार सामग्री, साइनबोर्ड, होर्डिंग, अखबारों की कतरनें उनके आस पास के परिवेश में उपलब्ध हों और उन पर चर्चा करने के मौके हों।	• अपने आस-पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर मौखिक रूप से प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/ प्रश्न पूछते हैं।	• **अनुभवात्मक अधिगम-** कक्षा पुस्तकालय की किताबों को 5 विभिन्न वर्ग में बाँटना। जैसे - कविता, कहानी, आत्मकथा, विज्ञान, अन्य । • वर्ग पहेली में विशेषण खोजना। • अपनी नानी/ दादी या घर के बड़े से उनके बारे में कोई किस्सा सुनना।

14	**बाघ आया उस रात (कविता)**	• तरह तरह की कहानी, कविताओं, पोस्टर आदि को संदर्भ के अनुसार पढ़कर समझने - समझाने के अवसर उपलब्ध हो।	• अपने आस पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर मौखिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/ प्रश्न पूछते हैं	• **कला एकीकृत अधिगम**- बाघ/ या अपने किसी पसंदीदा जानवर का मुखौटा बनाना । • **समसामाजिक जागरूकता -** बच्चों को बाघों की घटती जनसंख्या के बारे में जागरूक करना। • खोजबीन - विलुप्त होने वाले जानवरों/ पौधों की सूची बनाओ व उसे कक्षा में प्रदर्शित करो।
15	**बिशन की दिलेरी (कहानी)**	• पाठयपुस्क और उससे इतर सामग्री में आए प्राकृतिक, सामाजिक एवं अन्य आवेदनशील मुद्दों को समझने और उन पर चर्चा करने के अवसर उपलब्ध हों।	• सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य,साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/ प्रश्न पूछते हैं/ अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/ अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/ निष्कर्ष निकालते हैं ।	• **कला एकीकृत अधिगम** - बर्ड फीडर बनाना • फर्स्ट एड बॉक्स बनाना, बॉक्स में होने वाली वस्तुओं की सूची बनाना। • अखबार की खबरों का कोलाज बनाओ। (स्कूल लाइब्रेरी के अखबारों का उपयोग भी कर सकते हैं।)
16	**पानी रे पानी (लेख)**	• सुनी, देखी, पढ़ी बातों को अपने तरीके से, अपनी भाषा में लिखने के अवसर हों। • आस-पास होने वाली गतिविधियों,घटने वाली घटनाओं को लेकर प्रश्न करने, बच्चों से बातचीत या चर्चा करने,टिप्पणी करने, राय देने के अवसर उपलब्ध हों।	• अपने आसपास घटने वाली घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर मौखिक रूप से प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/ प्रश्न पूछते हैं।	• कला एकीकृत अधिगम - पानी बचाओ विषय पर पोस्टर बनाना व नारे लिखना। • समूह में समस्या देकर उसपर चर्चा करके कक्षा के साथ साझा करना। जैसे - यदि घर में पानी न आए तो क्या होगा आदि।
17	**छोटी सी हमारी**	• सुनी, देखी, पढ़ी बातों को अपने तरीके से, अपनी भाषा में लिखने के अवसर हों।	• अपने आसपास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों के ऊपर ध्यान देते हुए उन पर लिखित रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।	• नदी के सफर को चित्र द्वारा दर्शाना। • प्रमुख भारतीय नदियों को मानचित्र में दिखाना।

	नदी (कविता)	• आस - पास होने वाली गतिविधियों/ घटने वाली घटनाओं को लेकर प्रश्न करने, बच्चों से बातचीत या चर्चा करने, टिप्पणी करने, राय देने के बाद उपलब्ध हों।		• ताली और चुटकी का खेल - क्रिया शब्दों को सुनकर चुटकी बजाएँ तथा संज्ञा शब्दों को सुनकर ताली बजाएँ।
18	**चुनौती हिमालय की (यात्रा-वर्णन)**	• एक दूसरे की लिखी हुई रचनाओं को सुनने, पढ़ने और उस पर अपनी राय देने, उसमें अपनी बात को जोड़ने, बढ़ाने और अलग-अलग ढंग से लिखने के अवसर हों।	• भाषा की व्याकरणिक इकाइयों (जैसे कारक-चिन्ह, क्रिया, काल, विलोम आदि) की पहचान करते हैं और उनके प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं।	• कला एकीकृत अधिगम - पर्वतों की आकृति बनाकर उसमें कागज चिपकाकर कोलाज बनाएँ । • अनुभवात्मक अधिगम - आप परिवार के साथ अगर कहीं घूमने गए तो उस स्थान की यात्रा का वर्णन करो। • यूट्यूब से कोई पर्वत यात्रा का वीडियो दिखाएं। • 'पेड़ बचाओ' विषय पर पोस्टर बनाना।

नोट- उपर्युक्त पाठ्यक्रम पुनरावृत्ति के साथ वार्षिक परीक्षा से पहले पूर्ण हो जाना चाहिए।